हिन्दुस्तान

आगरा में नकली और नशे की दवाओं के बड़े नेटवर्क का खुलासा, अधिकारी भी चौंके

आगरा वरिष्ठ संवाददाता | Published By: Yogesh Yadav

Last updated: Thu, 10 Dec 2020 09:26 PM

ताजनगरी में ड्रग विभाग ने पहली बार सही निशाने पर तीर चलाया है। फव्वारा बाजार की दो फर्मों के कंप्यूटर डाटा के विश्लेषण में प्रथम दृष्टया नकली और नशे की दवाइयों के बड़े नेटवर्क का पता चला है। यह फर्में कई राज्यों में भ्रूण हत्या में काम आने वाली किट की सप्लाई भी करती हैं। इसके भी प्रमाण मिले हैं। डाटा का विश्लेषण चल रहा है।

औषधि विभाग को हरियाणा और राजस्थान से लगातार गोपनीय सूचनाएं मिल रही थीं। इनके मुताबिक आगरा से इन राज्यों में अवैध रूप से भ्रूण हत्या में प्रयोग की जाने वाली औषधीय किटों की सप्लाई हो रही है। विभाग ने गुप्त रूप से इन फर्मों के बारे में पता लगाया। गोगिया मार्केट फव्वारा में माधव ड्रग हाउस और एके एंटरप्राइजेज के नाम सामने आए। ड्रग विभाग ने दोनों प्रतिष्ठानों पर उपलब्ध मास्टर कंप्यूटर के साफ्टवेयर का डाटा और हार्ड डिस्क का बैकअप कब्जे में किया। शुरुआती जांच में काफी-कुछ संदेहास्पद डाटा मिला है।

एक फर्म के नशीली दवाओं के कारोबार में लिप्त होने की भी आशंका है। फिलहाल डाटा का विश्लेषण चल रहा है। जरूरत पड़ने पर विभाग बेंगलुरु स्थित लैबोरेटरी की सेवाएं भी ले सकता है। विभाग के मुताबिक प्रथम दृष्टया गुप्त सूचनाएं सत्य होने की आशंका है। अब सुबूत जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। दोनों फर्मों के डाटा विश्लेषण से पता चला है कि इनका कारोबार करीब 40 करोड़ रुपये सालाना का है। यह और भी बड़ा हो सकता है। इनमें से एक फर्म का कारोबार दूसरी से थोड़ा कम है। अधिक कारोबार वाली फर्म की जांच में कुछ और बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। फिलहाल इसका खुलासा नहीं किया गया है।

रूट फाइलों ने खोली सारी पोल

दवा कारोबारी अक्सर कंप्यूटर और लैपटाप का डाटा डिलीट करते रहते हैं। फाइलों को बदलते (टैंपर्ड) करते हैं। लेकिन इन गतिविधियों की एक रूट फाइल बनती रहती है। विशेषज्ञ इसके सहारे कंप्यूटर की पूरी हिस्ट्री खोज लेते हैं। इस मामले में भी यही किया गया। यानि पहली बार सही निशाने पर तीर चलाया गया है।

सिर्फ पुलिस ही करती रही कार्रवाई

बीते साल और इस बार गर्मियों में पंजाब, दिल्ली पुलिस के छापेमारी होती रही। कई बार राजस्थान और मध्य प्रदेश पुलिस भी आई। औषधि विभाग को भनक तक नहीं लगने दी गई। नशे और नशीली दवाओं के कारोबार का भंडाफोड़ किया। जबकि यह काम औषधि विभाग का है। उसे अपने ही शहर की भनक नहीं लगती।

औषधि विभाग की मानें तो यह उत्तर प्रदेश या करीबी राज्यों में हुई अभी तक की सबसे बड़ी तीसरी कार्रवाई हो सकती है। इससे पहले अमरोहा के हसनपुर और उत्तराखंड के रुड़की में इसी तरह की दो कार्रवाई की गई हैं। इनमें भी करोड़ों का माल जब्त किया गया था। जबकि एक दर्जन से अधिक आरोपियों को जेल भेजा गया था।

आषधि निरीक्षक नरेश मोहन के अनुसार यह सोच से भी बहुत बड़ा मामला हो सकता है। इसमें नकली और नशीली दोनों तरह की दवाएं हैं। अभी जांच चल रही है। प्रथम दृष्टया बहुत-कुछ संदेहास्पद है। जरूरत पड़ने पर डाटा का विश्लेषण दूसरी प्रयोगशालाओं में भी कराई जा सकती है। इसके बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

Source: https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/story-big-network-of-fake-medicine-and-drug-addicts-exposed-in-agra-officials-also-shocked-3676983.html